संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -253 रविवार ,14 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का चौदहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

समाचार पत्र में छपे समाचार
एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,13 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

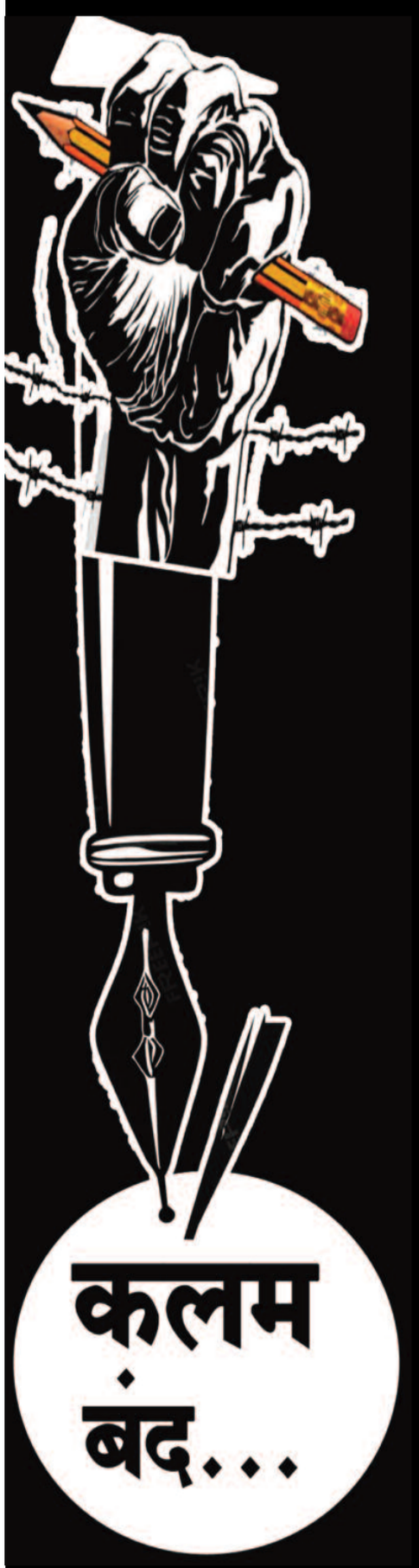

कलम बंद...का चौदहवां दिन

कलम बंद...का चौदहवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,13 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

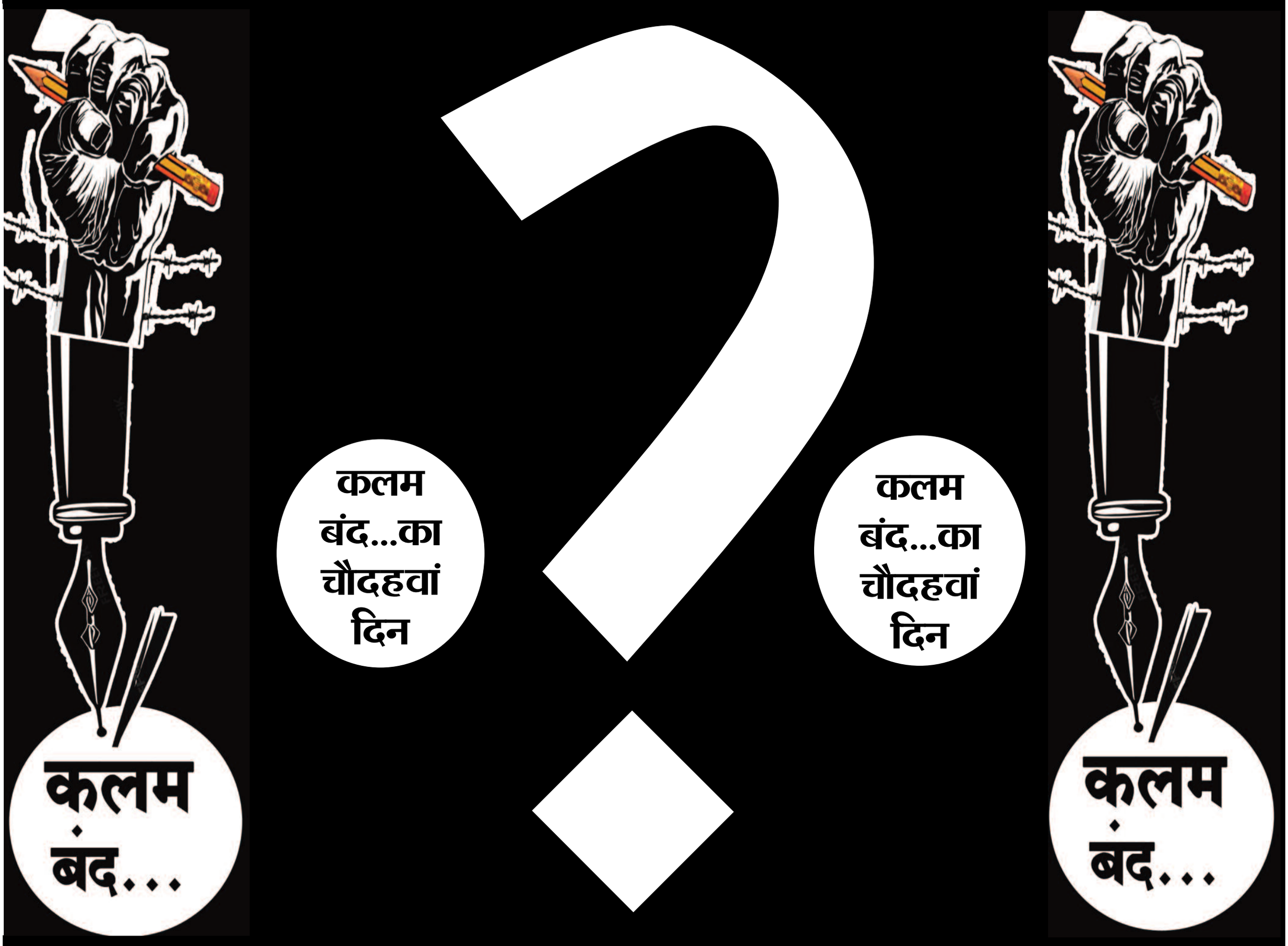

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,13 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

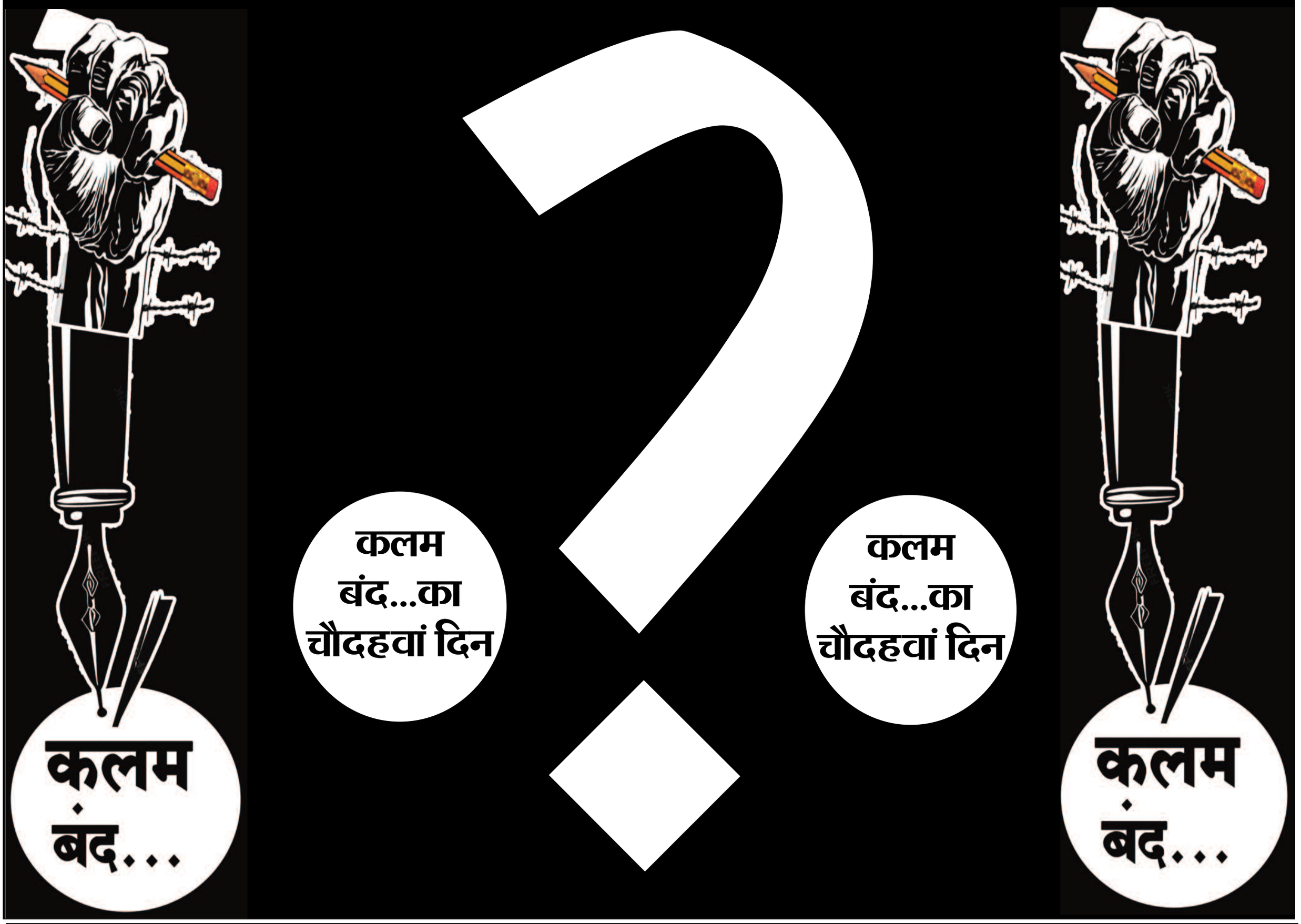

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,13 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

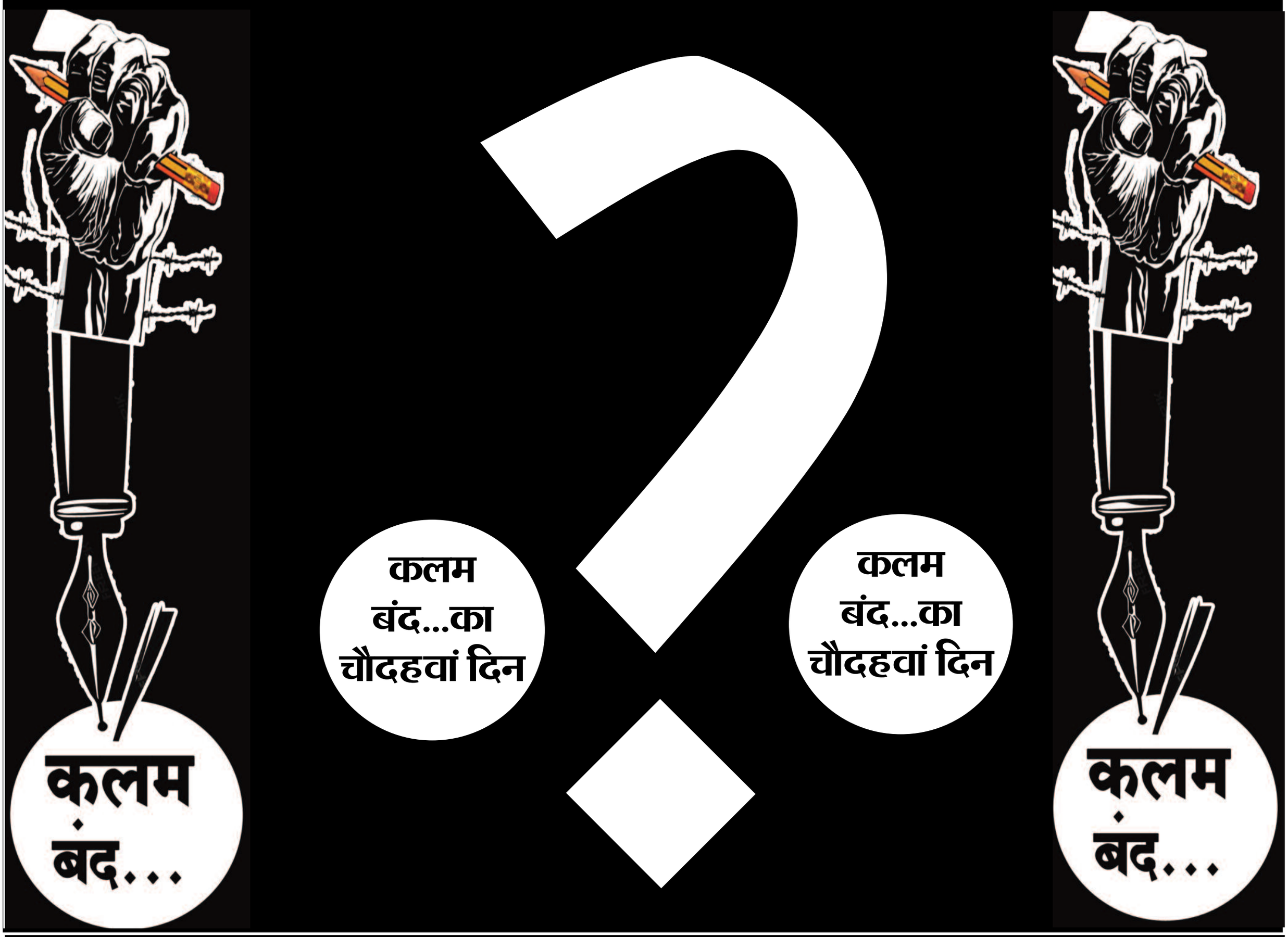

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

इंडिया ने जिम्बाब्वे से 5 मैचों की टी-20 सीरीज जीती

» ओपनर्स शुभमन और यशस्वी ने फिफ्टी लगाई, 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली,13 जुलाई 2024। भारत ने टी-20 सीरीज के चौथे मैच में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त के साथ सीरीज भी अपने नाम कर ली है। सीरीज का पांचवां मुकाबला 14 जुलाई को खेला जाएगा।भारत ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में भारत ने 15.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए टारगेट हासिल कर लिया। भारत की ओर से ओपनर्स के बीच नाबाद 156 रन की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल ने 53 बॉल पर नाबाद 93 और शुभमन गिल ने 39 बॉल पर 58 रन बनाए।

इससे पहले, जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके अलावा तदिवनाशे मरुमानी 32 और वेसले मधवरे ने 25 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के ओपनर्स तदिवनाशे मरुमानी (32) और वेसले मधवरे (25) के बीच 63 रन की साझेदारी हुई। भारत की ओर से खलील अहमद ने दो विकेट झटके। शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, तुषार देशपांडे और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला। जोनाथन कैंपबेल को रवि बिश्नोई ने अपनी ही बॉल पर डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया।

जिम्बाब्वे ने भारत को 153 रन का टारगेट दिया

जिम्बाब्वे ने भारत को 153 रन का टारगेट दिया है। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके अलावा तदिवनाशे मरुमानी 32 और वेसले मधवरे ने 25 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के ओपनर्स तदिवनाशे मरुमानी (32) और वेसले मधवरे (25) के बीच 63 रन की साझेदारी हुई।भारत की ओर से खलील अहमद ने दो विकेट झटके। शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, तुषार देशपांडे और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला। जोनाथन कैंपबेल को रवि बिश्नोई ने अपनी ही बॉल पर डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया।

कौन तोड़ेगा 400 रनों का रिकॉर्ड?

» ब्रायन लारा ने लिए चार युवाओं के नाम,दो तो भारतीय ही

नई दिल्ली,13 जुलाई 2024। टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ 400 रन बनाए थे। 1994 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ ही 375 रनों की पारी खेली थी। करीब 10 साल बाद मैथ्यू हेडन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 380 रन ठोक दिए थे। 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ सैंट जोन्स के मैदान पर लारा 400 रन बनाने वाले पहले टेस्ट बल्लेबाज बने। उनका यह रिकॉर्ड आज तक कायम है।

कौन तोड़ सकता है रिकॉर्ड?

ब्रायन लारा से पूछा गया कि आज के समय में कौन से खिलाड़ी हैं जो उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इसपर उन्होंने डेली मेल से कहा, मेरे समय में ऐसे खिलाड़ी थे, जो चुनौती देते थे या कम से कम 300 का आंकड़ा पार करते थे-वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल, इंजमाम-उल-हक, सनथ जयसूर्या। वे काफी आक्रामक खिलाड़ी थे। आज कितने आक्रामक खिलाड़ी खेल रहे हैं? खास तौर पर इंग्लैंड की टीम में-जैक क्राउली और हैरी ब्रूक। शायद भारतीय टीम में यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल। अगर उन्हें सही परिस्थिति मिले तो रिकॉर्ड टूट सकता है।

किसी के लिए नहीं होगा आसान

आज के समय में ब्रायन लारा का रिकॉर्ड तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। टेस्ट में अब कम ही टीमें हैं जो 500 रनों तक भी पहुंच पाती हैं। जब रिजल्ट की तरफ जाते हैं और इसकी वजह से विकेट भी तेजी से गिरते हैं। 2020 से टेस्ट में अभी तक सिर्फ एक ही बार 700 से ज्यादा का स्कोर बना है। यही वजह है कि लारा का रिकॉर्ड तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होने वाला है।

विम्बलडन फाइनल में अल्का-राज का सामना जोकोविच से

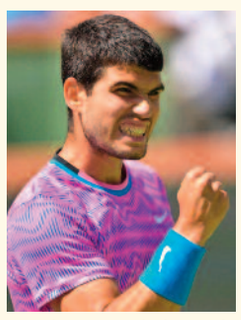

स्पेन,13 जुलाई 2024। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर विम्बलडन फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना नोवाक जोकोविच से होगा। अपना 21वां जन्मदिन मनाने से कुछ महीने दूर अल्काराज अगर जीत जाते हैं तो उनका लगातार दूसरा विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब होगा।

उन्होंने मेदवेदेव को 6 . 7, 6 . 3, 6 . 4, 6 . 4 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा ,'' लग रहा है कि अब मैं नया नहीं हूं। मुझे पता है कि फाइनल में कैसा लगता है। मैं पहले भी खेल चुका हूं और उसी प्रदर्शन को दोहराऊंगा।'' पिछली बार भी फाइनल में उनका सामना जोकोविच से ही था। जोकोविच ने 25वीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेत्ती को 6 . 4, 7 . 6, 6 . 4 से हराया। जोकोविच के 2014 और 2015 में रोजर फेडरर को हराने के बाद से पहली बार लगातार दो फाइनल समान प्रतिद्वंद्वियों के बीच होगा।जोकोविच इस सत्र में किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंच सके हैं। जून में उन्होंने दाहिने घुटने का आपरेशन भी कराया। उन्हें यहां क्वार्टर फाइनल में वॉकओवर मिला था जब उनके प्रतिद्वंद्वी एलेक्स डि मिनौर ने कूल्हे की चोट के कारण नाम वापिस ले लिया।

झूलन गोस्वामी को विदेशी टी 20 लीग में मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,13 जुलाई 2024। विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन की शुरुआत 21 अगस्त से होगी जिसमें फाइनल सहित कुल 7 मैच खेले जाएंगे। इस महिला टी20 लीग में खेलने वाली त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम ने बड़ा ऐलान करते हुए दिग्गज पूर्व भारतीय महिला खिलाड़ी झूलन गोस्वामी को अपनी टीम का मेंटर बनाने का ऐलान किया है। झूलन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को साल 2022 में अलविदा कहने के बाद महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए गेंदबाजी कोच और मेंटर की जिम्मेदारी संभाली थी। इसमें पहले सीजन में जहां टीम ने खिताब को अपने नाम किया था तो दूसरे सीजन टीम का प्रदर्शन काफी खराब देखने को मिला था।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने जेमिमा और शिखा को भी अपनी टीम से जोड़ा

डब्ल्यूसीपीएल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स का पिछले सीजन मैदान पर काफी खराब प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें वह 4 मैचों में से सिर्फ एक में जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी और 3 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम प्वाइंट्स टेबल में 2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए खत्म किया था। आगामी सीजन में टीम की कप्तानी का जिम्मा जहां डिएंड्रा डॉटिन संभालेंगी तो वहीं टीम में इस बार भारतीय महिला टीम की 2 स्टार खिलाड़ी मिमा रोड्रिग्स और शिखा पांडे भी इस बार टीम का हिस्सा होंगी जिनको कुछ समय पहले ही टीम ने अपने साथ जोड़ने का ऐलान किया था। इसके अलावा टीम में पहले ही मेग लैनिंग और जेस जोनासेन के रूप में 2 और स्टार खिलाड़ी मौजूद हैं।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकेडमी त्रिनिदाद में खेले जाएंगे सभी मुकाबले

21 अगस्त को जहां विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग का पहला मुकाबला खेला जाएगा तो वहीं 29 अगस्त को टूर्नामेंट का फाइनल मैच होगा। इस दौरान सभी मैच त्रिनिदाद के ब्रायन लारा क्रिकेट अकेडमी में खेले जाएंगे। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के अलावा 2 अन्य टीमों में डिफेंडिंग चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की नई सेलेक्शन कमेटी का हुआ ऐलान

» ये 2 लोग अपनी जगह बचाने में रहे कामयाब

करांची,13 जुलाई 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 में बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें लगातार आचोलना का सामना करना पड़ा है। वहीं अब पीसीबी ने पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तानी टीम में सुधार को लेकर कदम उठाना शुरू कर दिए हैं। दरअसल पिछले 2 आईसीसी इवेंट्स में पाकिस्तानी टीम से जिस प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी परिणाम बिल्कुल ही उसके विपरीत देखने को मिले। ऐसे में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पीसीबी टीम में बड़े सुधार करने की तरफ फैसले ले रही ताकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके। इसी कड़ी में पाकिस्तान टीम की नई चयन समिति का भी ऐलान कर दिया गया है, जिसमें पिछली सेलेक्शन कमेटी का हिस्सा रहने वाले मोहम्मद यूसुफ और असद शफीक अपनी जगह को बरकरार रखने में कामयाब हुए हैं।

वहाब रियाज और रज्जाक की हुई छुट्टी,पांच लोगों को मिली जगह

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जो नई नेशनल सेलेक्शन कमेटी का ऐलान किया है उसमें पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद यूसुफ और असद शफीक के अलावा लिमिटेड ओवर्स टीम के कोच, कप्तान के साथ टेस्ट टीम के कोच और कप्तान भी हिस्सा होंगे। इसके साथ ही 5 और सदस्यों को चुना गया है जिसमें पाकिस्तान टीम के असिस्टेंट कोच अजहर महमूद, पिछली चयन समिति का हिस्सा रहने वाले और अब एडवाइजर टू चेयरमैन बिलाल अफजल, हाई परफॉर्मेंस के डायरेक्टर नदीम खान और इंटरनेशनल क्रिकेट के डायरेक्टर उस्मान वहला और मैनेजमेंट एनालिटिक्स हसन चीमा को जगह मिली है।

प्रियंका संग ठुमके लगाते निक जोनस को अनन्या पांडे ने दिया धक्का तो आगबबूला हुए लोग

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से प्रियंका चोपड़ा के हसबैंड निक जोनस का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर काफी लोगों को बुरा भी लग रहा है। शुक्रवार की रात मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड और दुनिया भर की हस्तियों की धूम मची थी। सभी अपने खूबसूरत अंदाज और लिबास में दिखे। इस शादी में शामिल होने के लिए सिर्फ एक दिन के लिए प्रियंका चोपड़ा हसबैंड निक जोनस के साथ पहुंची थीं और दोनों ने मिलकर खूब धमाल भी मचाया। वहीं जब बाराती पार्टी में शामिल ये सितारे डांस कर रहे थे तो उसी बीच निक जोनस का एक ऐसा नजारा कैप्चर हो गया जिसे देख काफी लोगों को अच्छा नहीं लगा है।

इस वीडियो में अनंत अंबानी के साथ सभी सितारे भीड़ में डांस करते दिख रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा म्यूजिक पर जमकर ठुमके लगा रही हैं और उनके साथ खड़े निक जोनस भी ताल मिलने की भरपूर कोशिश करते दिख रहे हैं। सबकुछ बहुत ही शानदार दिख रहा है कि अचानक बड़ी गड़बड़ हो जाती है।

अनन्या पांडे भीड़ को चीरती हुई निक जोनस को पुश करती दिखीं

डांस करतीं प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस के पीछे से अचानक अनन्या पांडे भीड़ को चीरती हुई आती हैं। वीडियो में वह निक जोनस को धक्का देकर साइड कर देती दिख रही हैं और फिर वो डांस करने लग जाती हैं।

रणवीर ने संभाला माहौल

वीडियो में निक पीछे खड़े हो जाती हैं, लेकिन तभी सामने से रणवीर सिंह भीड़ से हाथ बढ़ाकर वहां से उन्हें अपनी तरफ खींचकर ले आते हैं। इसके बाद रणवीर उन्हें गले से लगा लेते हैं। अब सोशल मीडिया पर ये झलक देख लोग अनन्या पांडे पर आगबबूला हो रहे हैं और रणवीर की तारीफें कर रहे।

अनंत-राधिका की शादी में क्वीन माधुरी दीक्षित की अदाओं ने लूटी महफिल

माधुरी दीक्षित ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अपने मशहूर गाने चोली के पीछे पर डांस करके अपनी खूबसूरती का तड़का लगाया। इस भव्य समारोह में इस मशहूर गाने पर थिरकती अभिनेत्री का एक वीडियो वायरल हो गया है। इस वीडियो में बॉलीवुड की धक-धक गर्ल बहुत ही सुंदर लग रही हैं। सोशल मीडिया पर माधुरी का ये डांस वीडियो लाइमलाइट में बना हुआ है, जिसमें उन्हें अलग-अलग तरह के खूबसूरत एक्सप्रेशन देते हुए देखा जा सकता है। माधुरी दीक्षित का डांस वीडियो आपका भी दिल जीत लेगा। माधुरी दीक्षित के साथ राशि खन्ना, अनन्या पांडे और ओरी जैसे बाकी हस्तियां भी अनंत की बारात के दौरान इस गाने पर डांस करते नजर आए। वहीं वीडियो में अभिनेत्री के पति डॉ. श्रीराम नेने भी अपने डांस मूव्स करते दिखे। वहीं माधुरी का डांस देख सभी उनके लिए तालियां बजाने लगे और डॉ. नेने उन्हें एक टक देखते रह गए। क्वीन माधुरी ने अपने सिग्नेचर स्टाइल और खूबसूरत हाव-भाव से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

तुम हीरोइन नहीं बन सकतीं,वक्त बर्बाद कर रही हो

ऐश्वर्या राजेश ने झेला रिजेक्शन, सुनाई आपबीती

कन्नड़, तमिल और तेलुगू फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं ऐश्वर्या राजेश आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उनकी गिनती साउथ की पॉपुलर और टॉप एक्ट्रेसेस में होती है। लेकिन वह आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए बहुत स्ट्रगल किया और खूब रिजेक्शन भी झेलना पड़ा। जब ऐश्वर्या राजेश 20ह्य में थीं, तो उन्होंने तमिल फिल्म काका मुट्टई में दो बच्चों की मां का रोल प्ले किया था। यह एक ऐसा रोल था, जिसे तब कई हीरोइनों ने ठुकरा दिया था, और आज भी कोई भी हीरोइन ऐसा रोल करने से हिचकेगी।

ऐश्वर्या राजेश की साल 2023 में पांच फिल्में रिलीज हुईं, और अब वह कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू किया था। पर शुरुआत में ऐश्वर्या को यह कहकर रिजेक्ट कर दिया गया था कि वह हीरोइन बनने के लायक नहीं हैं। वह खुद को स्टार की तरह कैरी नहीं करतीं।

ऐश्वर्या राजेश का छलका रिजेक्शन का दर्द

ऐश्वर्या राजेश ने हमारे सहयोगी से बातचीत में कहा, जब मैंने एक्टिंग करना शुरू किया तो कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि मैं हीरोइन नहीं बन सकती क्योंकि मैं बहुत सिंपल हूं। शुरुआत में मुझे बहुत सारे

रिजेक्शन का सामना करना पड़ा, लेकिन मैं आगे बढ़ती रही और हिम्मत बनाए रखी।

ऐश्वर्या ने आगे बताया, मुझसे कहा गया कि मैं खुद को एक स्टार की तरह कैरी नहीं करती और मैं अपना समय बर्बाद कर रही हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक्ट्रेस बनूंगी। मैं बी.कॉम की पढ़ाई कर रही थी और सोचा था कि मैं एमबीए करूंगी, किसी कंपनी में जाऊंगी और एचआर एक्जीक्यूटिव बनूंगी। मेरे पास कोई अनुभव नहीं था। फिर एक दिन मैंने एक्टर बनने का फैसला कर लिया। पर इसे लेकर गंभीर तब हुई, जब रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। तब मैंने सोचा कि अब लोगों को पता चलना चाहिए कि मैं कौन हूं। मैं एक ऐसी इंसान हूं, जिसे जब कोई कहता है कि वह ये काम नहीं कर सकती, तो उसे करके दिखाती हूं। मैंने बहुत ऑडिशन दिए। कई बार फाइनल हो जाती थी, पर कॉल नहीं आता था।

इन 7 फिल्मों में नजर आएंगी ऐश्वर्या राजेश

ऐश्वर्या राजेश अब सात फिल्मों में नजर आएंगी, जिनमें से एक कन्नड़ फिल्म उत्तराखंड है। ऐश्वर्या फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वह तीन मलयालम और तीन तमिल फिल्मों में भी नजर आएंगी।

इंडियन 2 से पहले इन फिल्मों में कमल हासन ने छोड़ी छाप

28 साल बाद कमल हासन इंडियन बनकर सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की है। एस. शंकर के निर्देशन में बनी फिल्म इंडियन 2 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म में फिल्म कमल हासन अलग-अलग लुक में दिखाई दिये हैं।

एक बुजुर्ग सेनापति के रूप में कमल हासन पूरी तरह अपने किरदार में ढले हुए दिखे। हर ओर उनकी प्रशंसा हो रही है। इंडियन 2 से पहले कमल हासन ने 69 साल की उम्र में कई तरह के किरदार निभाये हैं, जिसे देख दर्शक भी उनके मुरीद हो गये। एक फिल्म में तो उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि 10-10 किरदार निभाये थे।

27 जून 2024 को रिलीज हुई नाग अश्विन निर्देशित फिल्म कल्कि 2898 एडी में कमल हासन ने विलेन की भूमिका निभाई थी। वह मूवी में सुप्रीम यास्किन बने थे। भले ही फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। सीक्वल में उनका रोल पहले से ज्यादा और मजबूत दिखाया जाएगा।

साल 1997 में आई कॉमेडी ड्रामा कमल हासन के करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अभिनेता ने एक ऐसे आदमी का किरदार निभाया था, जिसे महिला के भेष में रहना पड़ता है। मिसेज डाउटफायर पर आधारित फिल्म का निर्देशन कमल हासन ने ही किया था।

साल 2001 में रिलीज हुई कमल हासन स्टारर तमिल मूवी अभय का निर्देशन सुरेश कृष्ण ने किया था। फिल्म में अभिनेता ने दो जुड़वा भाइयों का किरदार निभाया था, जिसमें से एक साइकोपैथ होता है। फिल्म में उनका रोल बहुत खतरनाक था। भले ही मूवी फ्लॉप हुई, लेकिन अभिनेता ने अपने किरदार से फैंस का दिल जरूर जीता।

अभय की तरह कमल हासन ने अप्पू राजा मूवी (1990) में भी डबल रोल निभाया था। वह जुड़वा भाई के किरदार में दिखे, जिसमें से नाटा होता है कमल हासन की बेहतरीन फिल्मों में एक नाम अनबे सिवन का भी है। 2003 में रिलीज हुई फिल्म में अभिनेता ने एक आदमी का किरदार निभाया था, जो फेशियल डिफोर्मिटी से जूझ रहा है। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल चुरा लिया था। इस फिल्म में आर माधवन की भी अहम भूमिका थी

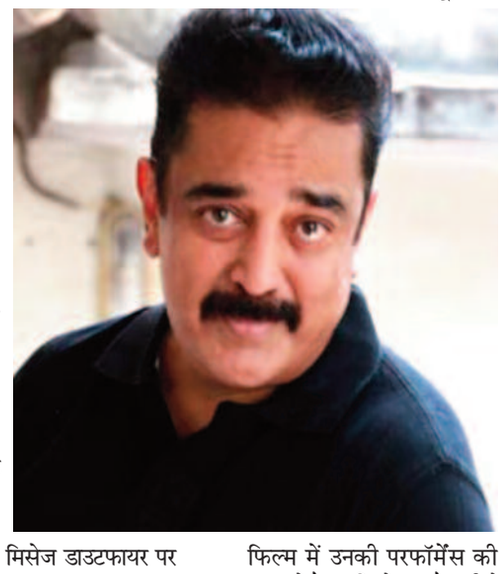

एक फिल्म में कोई कलाकार एक या दो किरदार निभा सकता है, लेकिन क्या आपने किसी किसी कलाकार को एक ही फिल्म में 10-10 किरदार में देखा है। कमल हासन ने फिल्म दशावतारम (2008) में 10 किरदार निभाये थे। एक्शन और साई-फाई फिल्म में कमल हासन के सारे 10 अवतार सबसे हटके और दमदार थे

रमेश अरविंद स्टारर मूवी उत्तम विलेन में कमल हासन ने एक अभिनेता का किरदार में दिखे, जिसे ब्रेन ट्यूमर होता है। वह एक फिल्म की शूटिंग करता है, जिसके लिए उसे अलग-अलग अवतार में पेश किया गया।कई तरह के किरदार निभा चुके कमल हासन ने साल 1991 में एक साइकैट्रिक मरीज का किरदार निभाया था। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस की खूब प्रशंसा हुई थी

साइकोपैथ, विलेन और हीरो बन चुके कमल हासन ने साल 2013 में फिल्म विश्वरूपम में काम किया था, जो एक स्पाई थ्रिलर मूवी थी। इस मूवी में वह एक अंडरकवर मिशन पर जाते हैं, जो पहले डांसर और बाद में आतंकवादी बन जाता हैफिलहाल, इंडियन 2 के बाद कमल हासन अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गये हैं। वह कल्कि 2898 एडी के सीक्वल के अलावा इंडियन 3 , ठग लाइफ जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर ,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुलारी देवी पत्नि दिलीप केशरी, जाति केशरवानी ,निवासी गुरूनानक अंबिकापुर, तहसील अंबिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ,स्थित ग्राम सकालो तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)खसरा नं0 715/1 रकबा 0.050, हे0 भूमि को कृषि भिन्न औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा, नक्शा, सेटलमेंन्ट पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आावेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे निर्धारित सुनवाई तिथि 25/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधिक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अंबिकापुर

खुला पत्र

भाजपा सरकार इमरजेंसी की सालगिरह मना रही है उस समय को कोस रही है...! वहीं दूसरी तरफ एक प्रशासनिक तड़ीपार की शिकायत पर प्रदेश में सच लिखने वाले समाचार-पत्र पर इमरजेंसी जैसे हालात क्यों?

» एक प्रशासनिक तड़ीपार की शिकायत पर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर इमरजेंसी जैसी स्थिति भाजपा सरकार के लिए सोचनीय मामला नहीं?

» यदि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर लगाया जाएगा इमरजेंसी तो फिर सरकार की कमियां दिखाएगा कौन?

-रवि सिंह-

रायपुर/सरगुजा 13 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। भारत में इस समय भाजपा की सरकार है और इस समय भाजपा की सरकार 25 जून 1975 के दिन को आपातकाल बताकर इमरजेंसी की सालगिरह मनाते हुए उस दिन को कोस रही है और वैसा दिन फिर कभी ना आए इसकी बात कही जा रही है पर वहीं छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार पत्रकारों व समाचार-पत्रों पर ही इमरजेंसी लगाने पर तुली हुई है। अब इस पर क्या भारत सरकार संज्ञान लेने की कोशिश करने वाली है,ऐसी स्थिति तब निर्मित हुई है...जब एक प्रशासनिक तड़ीपार की शिकायत पर किसी अखबार को दबाने का प्रयास किया जा रहा है? प्रशासनिक तड़ीपार इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि वह प्रशासन का व्यक्ति है और उसके विरुद्ध खुद की एक दर्जन से ज्यादा शिकायत है...यदि इतनी शिकायत पुलिस के समक्ष हुई होती तो शायद उसे तड़ीपार ही कहते,क्योंकि इतनी शिकायत पर अपराध पंजीबद हो जाता और सारे मामले फर्जीवाड़े के होते...और गबन के होते...भ्रष्टाचार के होते...पर ऐसे प्रशासनिक तड़ीपार की शिकायत को तव्वजो देते हुए छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने अखबार पर ही इमरजेंसी जैसी स्थिति निर्मित कर दी है। आखिर प्रशासनिक तड़ीपार व्यक्ति को स्वास्थ्य मंत्री के अलावा मुख्यमंत्री भी इतना तवज्जो कैसे दे रहे हैं यह सोचने वाली बात है?

पूरा मामला सरगुजा संभाग से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र से जुड़ा हुआ है जिसको लेकर प्रदेश की सरकार का अलग ही रुख देखने को मिल रहा है जो कहीं से भी इमरजेंसी से अलग रुख नहीं है और एक तरह से समाचार-पत्र को बंद कराने...उसका प्रकाशन रोकने...साथ ही साथ उसका प्रेस भवन जहां से समाचार प्रकाशित होता है...उसे भी जमीदोंज किए जाने की तैयारी चल रही है...क्योंकि समाचार-पत्र लगातार एक स्वास्थ्य विभाग के संविदा अधिकारी की कारगुजारी छाप रहा था...भ्रष्टाचार छाप रहा था...उसकी मनमानी छाप रहा था...जिससे वह क्षुब्ध हो गया और उसने इसका अलग ही रास्ता निकाल लिया जो खुद की कमियों में सुधार वाला रास्ता नहीं था बल्कि वह समाचार-पत्र को ही बर्बाद और नेस्तनाबूत करने निकल पड़ा और एक तरह से उसने समाचार-पत्र के लिए इमरजेंसी जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी। उस संविदा अधिकारी के लिए समाचार-पत्र के लिए इमरजेंसी जैसी स्थिति उत्पन्न करना आसान भी इसलिए हो जा रहा है कि वह प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा होने का लगातार उल्लेख करता है। वहीं वह यह दावा करता है कि स्वास्थ्य मंत्री ही स्वयं सरकार हैं। प्रदेश के और मुखिया भी उनकी बात काटने की हिम्मत नहीं कर सकते और उन्हें वही करना होगा जो मंत्री जी की मंशा होगी। इसीलिए ही समाचार-पत्र के लिए इमरजेंसी जैसी स्थिति बना दी गई है और अब उसका कार्यालय और प्रेस भी नेस्तनाबूत होगा क्योंकि वह संविदा स्वास्थ्य अधिकारी के मामले में उनकी कमियां प्रकाशित कर रहा है साथ ही वह उसके भ्रष्टाचार की लगातार पोल खोल रहा है जिससे वह संविदा स्वास्थ्य अधिकारी जो स्वास्थ्य मंत्री का खुद को भतीजा बताता है वह चिढ़ा हुआ है।

संविदा स्वास्थ्य अधिकारी को लेकर दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के लिए इमरजेंसी जैसे हालात क्या इसलिए उत्पन्न किए जा रहा क्योकि वह की स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे है?

वैसे जिस संविदा स्वास्थ्य अधिकारी को लेकर दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के लिए इमरजेंसी जैसे हालात उत्पन्न किए जा रहे हैं जिसमे उसका शासकीय विज्ञापन रोकना उसके प्रेस भवन को तोड़ना इस आशय की लगातार बांते करना शामिल है उसकी कमियां कांग्रेस शासनकाल से ही दैनिक घटती-घटना उजागर करता चला आ रहा है वहीं उसकी कई कमियां भ्रष्टाचार यहां तक की उसके डिग्री के भी फर्जी होने की शिकायत किसी अन्य ने की है जिसके आधार पर ही खबर का प्रकाशन किया जाता रहा है। वैसे संविदा स्वास्थ्य अधिकारी कोरोना काल से ही प्रसिद्ध रहा है आपदा को अवसर बनाने की उसकी कला ने उसे तब भी अधिकारियों और नेताओं का चहेता बनाकर रखा था वहीं अब भी वह चहेता है इस बार इसलिए क्योंकि वह स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा है और इसलिए भले ही प्रदेश में सभी मामलों में अखबारों में एमरजेंसी लग जाए उस संविदा अधिकारी की न जांच होगी न उसके भ्रष्टाचार के मामले में कोई कार्यवाही होगी।

आखिर एक समाचार-पत्र पर लगाया गया इमरजेंसी जो केवल सत्य का प्रकाशन करने के लिए लगाया गया है...!

वैसे यह विषय इसलिए भी आज उठाया जा रहा है की भारत सरकार कांग्रेस के इमरजेंसी को कई दशकों बाद याद करने का काम कर रही है वहीं प्रदेश में उसी दल की सरकार है और सरकार भी मोदी गारंटी के साथ काम कर रही है एक तरह से मोदी ही सर्वेसर्वा हैं यह बताकर चल रही है ऐसे में आखिर एक समाचार पत्र पर लगाया गया इमरजेंसी जो केवल सत्य का प्रकाशन करने के लिए लगाया गया है उसको लेकर केंद्र सरकार क्यों मौन है यह सोचने वाली बात है जबकि प्रतिदिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को इस आशय से अवगत कराने का भी प्रयास समाचार-पत्र कर रहा है की उसके विरुद्ध प्रदेश सरकार का प्रशासनिक तंत्र द्वेषवश काम कर रहा है उसे बांधने का दबाव डाल रहा है जिसके लिए जब समाचार-पत्र तैयार नहीं हुआ तो उसे उजाड़ने की बात कहकर दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश में एक संविदा अधिकारी वह भी स्वास्थ्य विभाग का जिसके ऊपर कई भ्रष्टाचार के आरोप हैं वहीं उसकी डिग्री फर्जी होने का भी आरोप है उसके द्वारा संचालित नर्सिंग कॉलेज की भी न्यूनतम अनिवार्य व्यवस्था सही नहीं है इसकी भी शिकायत है बावजूद उसे संरक्षण प्रदान किया जा रहा है उसे बचाने समाचार पत्र पर इमरजेंसी लगाई जा रही है।

संविदा अधिकारी कांग्रेस शासनकाल में उधर एक नेता का रिश्तेदार बन बैठा था वहीं जब सत्ता परिवर्तन हुआ तो वह भाजपा नेता विधायक साथ ही स्वास्थ्य मंत्री का ही भतीजा बन बैठा...!

इस मामले में केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री से गृहमंत्री से देश से एक सवाल है कि क्या इमरजेंसी को केवल राजनीतिक क्षेत्र तक ही सीमित कर दिया गया है छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार खासकर स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर करने के कारण एक संविदा स्वास्थ्य अधिकारी के भ्रष्टाचार को उजागर करने के कारण जो स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा खुद को बताता है क्या समाचार-पत्र को ही प्रदेश सरकार बंद कर देगी। वैसे यह भी बताना जरूरी है की यह संविदा अधिकारी कांग्रेस शासनकाल में उधर एक नेता का रिश्तेदार बन बैठा था वहीं जब सत्ता परिवर्तन हुआ वह भाजपा नेता विधायक साथ ही स्वास्थ्य मंत्री का ही भतीजा बन बैठा। अब केंद्र की सरकार से सवाल यही की क्या भाजपा शासित राज्यों में समाचार-पत्रों के लिए इमरजेंसी लगा दी गई है और वह इस आशय की है की भाजपा शासित राज्यों में भ्रष्टाचार और सरकार की कमियां उजागर करना मना होगा वहीं यदि ऐसा है तो एक राजपत्र इस आशय का भी प्रकाशित करना आवश्यक है जिससे लिखने की स्वतंत्रता मानकर समझकर कोई समाचार-पत्र सच न लिख जाए कमियां न उजागर कर जाए सरकार की और उसे भी फिर परेशानी झेलनी पड़े। वैसे इसी तरह मंत्री का भतीजा होने पर भी भ्रष्टाचार की छूट होगी मनमानी करने बिना न्यूनतम सुविधा उपलब्ध कराए नर्सिंग कॉलेज संचालित करने का भी हक होगा यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए जिससे बार-बार समाचार-पत्र सच दिखाने की खासकर मंत्री के भतीजे या रिश्तेदार का भयभीत रहें।

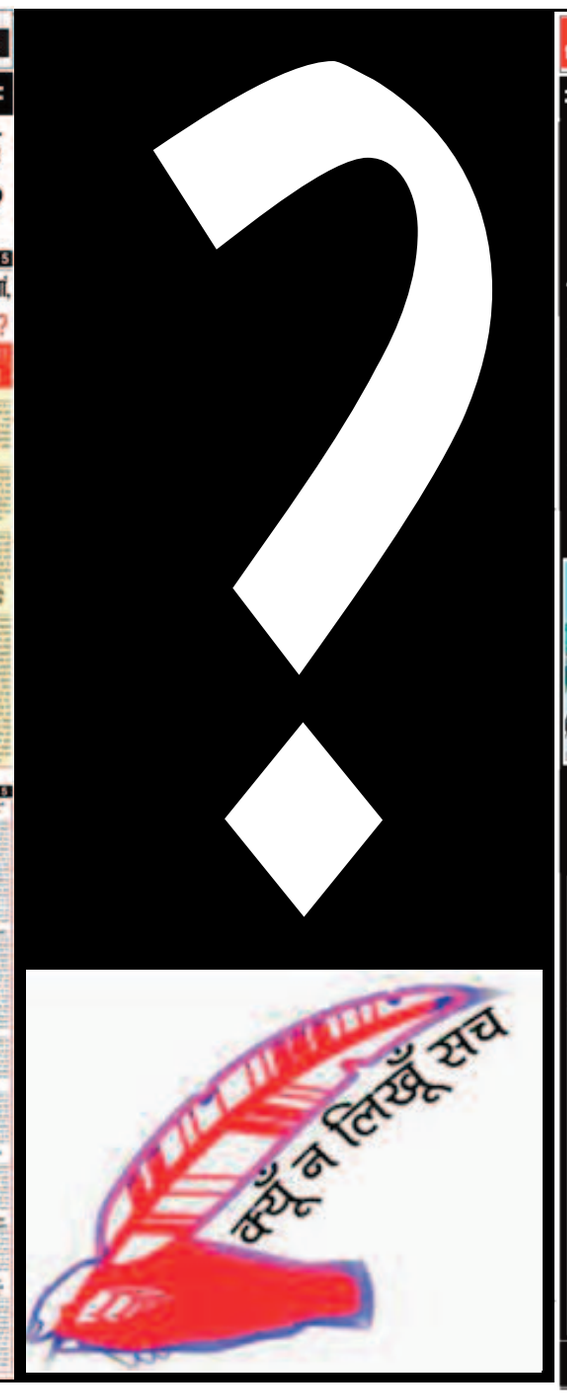

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)